



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 293]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 8, 2016/भाद्र 17, 1938

No. 293]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 8, 2016/BHADRA 17, 1938

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 2016

सं. 30/2015-2020

विषय:—विदेश व्यापार नीति, 2015-2020 के पैरा 2.04 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार द्वारा विदेश व्यापार नीति, 2009-14 में शून्य शुल्क ईपीसीजी तथा एस एच आई एस के गलत रूप से साथ-साथ लाभ जारी होने के मामले में अपनायी जाने वाली प्रक्रिया की अधिसूचना।

फा. सं. 01/61/180/41/एम-13/पीसी-3 (भाग).—इस निदेशालय को विदेश व्यापार नीति 2009-14 के तहत स्तरधारक प्रोत्साहन स्कीम (एसएचआईएस) और शून्य शुल्क ईपीसीजी प्राधिकार पत्र का साथ-साथ लाभ गलत रूप से जारी होने के विषय पर राजस्व आसूचना महानिदेशालय तथा विभिन्न निर्यातकों से पत्र प्राप्त हुए थे। यह मुद्दा विदेश व्यापार नीति के पैरा 5.1(ख) और प्रक्रिया पुस्तक 2009-14 के पैरा 3.10.3 (ख) से संबंधित है। राजस्व विभाग के परामर्श से इस निदेशालय द्वारा अभ्यावेदनों की जांच कर ली गई है और यह निर्णय लिया गया है कि उन निर्यातकों को इस सार्वजनिक सूचना में विनिर्दिष्ट सीमा तक दोनों स्कीमों में एक स्कीम का चयन करने का विकल्प प्रदान किया जाएगा जिन्हें इन स्कीमों का ऐसा एक-साथ लाभ प्रदान किया गया है या जिन्होंने लाभ प्राप्त किया है। दोनों में से एक लाभ वापस करने का विकल्प निम्नलिखित के अधीन होगा:—

क. एसएचआईएस वापस करना

एसएचआईएस (स्प्लिट्स सहित) वापस किए जाने के मामले में मूल धारक द्वारा अप्रयुक्त एसएचआईएस (अंश या पूर्ण) उसे सौंपी जा सकती है जिसे मूल एसएचआईएस स्क्रिप के अभ्यर्पण द्वारा यह एसएचआईएस जारी की गयी थी।

एसएचआईएस की राशि जिसका मूल आवेदक जिसे एसएचआईएस जारी किया गया था (जिसने एसएचआईएस का हस्तांतरण नहीं किया है) द्वारा उपयोग किया गया है, मूल आवेदक द्वारा एसएचआईएस के जारी होने की तारीख से सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 28कक के तहत निर्धारित दर पर ब्याज सहित नकद रूप में लौटायी जाएगी।

एसएचआईएस की राशि जिसका मूल आवेदक द्वारा हस्तांतरण किया गया है, को एसएचआईएस की प्रयुक्त राशि के रूप में माना जाएगा तथा तदनुसार मूल आवेदक द्वारा धन वापसी तथा ब्याज भुगतान के प्रयोजनार्थ माना जाएगा।

उन मामलों में जिनमें तत्काल पिछले वर्ष के निर्यात के आधार पर एसएचआईएस जारी की गयी थी और फिर शून्य शुल्क ईपीसीजी भी जारी किया गया था तथा निर्यातक एसएचआईएस वापस करना चाहता है तो एसएचआईएस के 'पहले' वापसी की शर्त संबंधी एफटीपी/एचबीपी प्रावधानों में छूट देने के लिए महानिदेशक, विदेश व्यापार द्वारा संगत समिति के परामर्श से विदेश व्यापार नीति 2015-2020 के पैरा 2.58 के तहत शक्तियों का प्रयोग किया जाएगा।

ख. शून्य शुल्क ईपीसीजी/निर्यात पश्चात ईपीसीजी वापस करना

जब शून्य शुल्क ईपीसीजी (अर्थात् सभी संगत प्राधिकार पत्र) वापस किया जाना हो तो परित्यक्त शुल्क की समतुल्य राशि निर्धारित दर के अनुसार ब्याज सहित नकद वापस की जाएगी—

(क) ईपीसीजी अधिसूचना में दर यदि लौटायी गयी ईपीसीजी का सही तरीके से लाभ प्राप्त किया गया हो।

(ख) सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 28कक के तहत दर यदि निर्यातक द्वारा लौटाया गया ईपीसीजी का गलत तरीके से लाभ लिया गया हो।

अप्रयुक्त शून्य शुल्क ईपीसीजी (पूरी अथवा आंशिक) को वापस किया जा सकता है। इसके अलावा, शून्य शुल्क ईपीसीजी को वापस करने (अर्थात् सभी संबंधित प्राधिकार पत्रों को वापस करने) की बजाए निर्यातक 17-4-2013 तक जारी की गई शून्य शुल्क ईपीसीजी को माल की स्वीकृति की तिथि से भुगतान की तिथि तक अंतर शुल्क तथा लागू ब्याज (धारा 28कक के तहत निर्धारित दर पर) का भुगतान करके 3 प्रतिशत ईपीसीजी (पात्रता के अधीन) में परिवर्तित करने का विकल्प पुनः प्राप्त कर सकता है। ऐसे मामलों में एसएचआईएस स्क्रिप को वापस करने की आवश्यकता नहीं होती है। यह विकल्प तब उपलब्ध नहीं होगा जब शून्य शुल्क ईपीसीजी का डीजीएफटी द्वारा पहले ही मोचन किया गया हो।

जब शून्य शुल्क पश्च निर्यात ईपीसीजी को वापस किया जाएगा तब प्राधिकार-पत्र (पत्रों) को वापस करना होगा। यदि ऐसे शून्य शुल्क पश्च निर्यात ईपीसीजी प्राधिकार पत्र (पत्रों) हेतु कोई संबंधित ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप जारी की गई हैं तो अप्रयुक्त होने पर उसे वास्तविक धारक द्वारा (वास्तविक ड्यूटी स्क्रिपों को वापस करके) लौटाया जा सकता है। ऐसी पश्च निर्यात ईपीसीजी स्क्रिप (स्क्रिपों) की राशि जिसे वास्तविक आवेदक द्वारा प्रयुक्त किया गया है उसकी नकद में वापसी (सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 28कक के तहत निर्धारित दर से पश्च निर्यात ईपीसीजी जारी करने की तिथि से ब्याज सहित) की जाएगी। हस्तांतरित की गई पश्च निर्यात ईपीसीजी स्क्रिप (स्क्रिपों) की राशि को प्रयुक्त पश्च निर्यात ईपीसीजी स्क्रिप (स्क्रिपों) की राशि के रूप में माना जाएगा तथा साथ ही तदनुसार इसे निर्यातक द्वारा ब्याज के भुगतान के प्रयोजन हेतु माना जाएगा।

(ग) भुगतान का तरीका

सरकार को राशि नकद में वापस की जाएगी। राशि को विदेश व्यापार नीति के तहत जारी वैध मुक्त हस्तांतरणीय ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप में अथवा वास्तविक धारक जिसे यह जारी की गई थी द्वारा धारित वैध एसएचआईएस स्क्रिप में डेबिट करने की सुविधा वापसी के भुगतान हेतु अनुमत होगी। तथापि ब्याज का भुगतान हमेशा नकद में किया जाएगा।

(घ) समयावधि

उपर्युक्त हेतु निर्यातकों के लिए डीजीएफटी द्वारा निर्धारित विकल्प चुनने के प्रावधान से 9 महिने की समयावधि अनुमत है।

(ङ) गलत निर्गमन के मामलों में कोई दंडनीय कार्रवाई नहीं

पूर्व में निर्गमन के संबंध में की गई विभिन्न व्याख्याओं को ध्यान में रखते हुए राजस्व विभाग के साथ परामर्श करके यह निर्णय लिया गया है कि एसएचआईएस/शून्य ड्यूटी ईपीसीजी प्राधिकार पत्र के किसी त्रुटिपूर्ण निर्गमन को प्रमाणिक त्रुटि माना जाएगा तथा निर्यातकों के विरुद्ध क्षेत्रीय प्राधिकारियों द्वारा/डीआरआई सहित सीमा शुल्क की क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा कोई दंडनीय कार्रवाई नहीं की जाएगी। एसएचआईएस तथा शून्य ड्यूटी ईपीसीजी/निर्यात पश्च ईपीसीजी लाभों को जारी करने के संबंध में समुचित व्याख्या अनुलग्नक में दी गई है।

(च) सीबीईसी द्वारा की जाने वाला परिणामी कार्रवाई

सीबीईसी अपनी क्षेत्रीय इकाइयों के मार्गदर्शन हेतु एक अलग परिपत्र जारी करेगी।

इस सार्वजनिक सूचना का प्रभाव निर्यातक जिन्होंने गलत रूप से एक ही समय में शून्य प्रतिशत ईपीसीजी तथा एसएचआईएस का लाभ प्राप्त किया है उन्हें कतिपय शर्तों के अधीन एक लाभ को वापस करने का विकल्प दिया गया है।

अनूप वधावन, महानिदेशक, विदेश व्यापार

सार्वजनिक सूचना सं०. 30/2015-20, दिनांक: 08-09-2016 का अनुलग्नक

एसएचआईएस और शून्य शुल्क ईपीसीजी लाभ का त्रुटिपूर्ण/एक साथ जारी किए जाने का विभिन्न परिदृश्य
षष्ठावली:

- एस1 पहले वर्ष में किए गए निर्यात हेतु जारी एसएचआईएस
एस2 दूसरे वर्ष में किए गए निर्यात हेतु जारी एसएचआईएस
एस3 तीसरे वर्ष में किए गए निर्यात हेतु जारी एसएचआईएस
ई शून्य शुल्क ईपीसीजी स्कीम का लाभ प्राप्त किया गया अर्थात् स्कीम जारी की गई
एन नहीं लिया गया अर्थात् नहीं जारी किया गया

*एक वर्ष की विलम्ब कटौती के साथ एसएचआईएस जारी की गई

**दो वर्ष की विलम्ब कटौती के साथ एसएचआईएस जारी की गई

एसएचआईएस, 0% ईपीसीजी और 0% निर्यात पश्च ईपीसीजी जारी करने के संबंध में विभिन्न वर्षों में विभिन्न परिदृश्य				
	वर्ष	जारी की गई एसएचआईएस	जारी की गई 0% ईपीसीजी	टिप्पणी (0% ईपीसीजी के संदर्भ में 0% निर्यात-पूर्व ईपीसीजी प्राधिकार पत्र शामिल है।)
वर्ष 1	2009-10			संबद्ध नहीं है।
वर्ष 2	2010-11	एस1	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गई। एसएचआईएस त्रुटिवश जारी की गई। एस1 हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी अर्थात् एस1* और एस1** भविष्य में उपलब्ध नहीं होगी क्योंकि ई का लाभ प्राप्त कर लिया गया है।
		एस1	ई	एसएचआईएस पहले जारी की गई। ईपीसीजी त्रुटिवश जारी की गई है, यदि प्राप्त किया गया एसएचआईएस लाभ पहले वापस नहीं किया गया है, अथवा उपयोग कर लिए जाने की स्थिति में लागू ब्याज सहित वापस नहीं किया गया है।
		एन	ई	एस1 हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी अर्थात् एस1* और एस1** भविष्य में उपलब्ध नहीं होगी क्योंकि ई का लाभ प्राप्त कर लिया गया है।
		एस1	एन	स्क्रिप सही प्रकार से जारी किया गया है।
		एन	एन	संगत नहीं है।
वर्ष 3	2011-12	एस1*	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गई। यदि वर्ष 2010-11 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है, तो एस1* उपलब्ध है।
		एस2	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गई। एसएचआईएस त्रुटिवश जारी की गई। एस2 हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी अर्थात् एस2* और एस2** भविष्य में उपलब्ध नहीं होगी क्योंकि ई का लाभ प्राप्त कर लिया गया है।
		एस1* / एस2	ई	एसएचआईएस पहले जारी की गई। यदि वर्ष 2010-11 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है, तो एस1* उपलब्ध है। ईपीसीजी त्रुटिवश जारी गई, यदि प्राप्त किया गया एस2 पहले वापस नहीं किया गया है अथवा उपयोग कर लिए जाने की स्थिति में लागू ब्याज सहित वापस नहीं किया गया है।
		एन	ई	एस2 हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी अर्थात् एस2* और एस2** भविष्य में उपलब्ध नहीं होगी क्योंकि ई का लाभ प्राप्त कर लिया गया है।
		एस1*	एन	स्क्रिप सही प्रकार से जारी किया गया है, बशर्ते कि ईपीसीजी का लाभ वर्ष 2010-11 में नहीं लिया गया है।
		एस2	एन	स्क्रिप सही प्रकार से जारी किया गया है।

		एन	एन	संगत नहीं है।
वर्ष 4	2012-13	एस1**	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गई। यदि वर्ष 2010-11 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है, तो एस1* उपलब्ध है।
		एस2*	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गई। एस2 उपलब्ध है यदि 2011-12 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है।
		एस3	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गई। एसएचआईएस गलत जारी की गई। एस3 हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी अर्थात् एस3* और एस3** भविष्य में उपलब्ध नहीं होगी क्योंकि ई का लाभ ले लिया गया है।
		एस1** / एस2* / एस3	ई	एसएचआईएस पहले जारी की गई। एस1** उपलब्ध है, यदि 2010-11 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है एस2* उपलब्ध है यदि 2011-12 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है। ईपीसीजी त्रुटिवंश जारी गई, यदि प्राप्त किया गया एस3 पहले वापस नहीं किया गया है अथवा उपयोग कर लिए जाने की स्थिति में लागू ब्याज सहित वापस नहीं किया गया है।
		एन	ई	एस3 सदा के लिए समाप्त होगा अर्थात् भविष्य में एस3* और एस3** उपलब्ध नहीं होंगे। क्योंकि ई का लाभ ले लिया गया है।
		एस1**	एन	स्क्रिप सही जारी किया गया है, बर्त 2010-11 में ई का लाभ नहीं लिया गया है।
		एस2*	एन	स्क्रिप सही जारी किया गया है, बर्त 2011-12 में ई का लाभ नहीं लिया गया है।
		एस3	एन	स्क्रिप सही जारी किया गया है।
		एन	एन	संगत नहीं है।
वर्ष 5	2013-14	एस2**	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गई। एस2** उपलब्ध है यदि 2011-12 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया।
		एस3*	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गयी। एस3* उपलब्ध है यदि 2012-13 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है।
		एस4	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गयी। एसएचआईएस गलत जारी किया गया। एस4 हमेशा के लिए समाप्त होगा अर्थात् एस4* और एस4** भविष्य में उपलब्ध नहीं होंगे क्योंकि ई का लाभ ले लिया गया है।
		एस2** / एस3* / एस4	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गई। एस2** उपलब्ध है यदि 2011-12 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है या एस3* उपलब्ध है यदि 2012-13 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है। ईपीसीजी त्रुटिवंश जारी गई, यदि प्राप्त किया गया एस4 पहले वापस नहीं किया गया है अथवा उपयोग कर लिए जाने की स्थिति में लागू ब्याज सहित वापस नहीं किया गया है।
		एन	ई	एस4 सदा के लिए समाप्त हो जाएगा अर्थात् भविष्य में एस4* और एस4** उपलब्ध नहीं होंगे।, क्योंकि ई का लाभ ले लिया गया है,
		एस2**	एन	स्क्रिप सही जारी की गई, बर्त 2011-12 में ई का लाभ नहीं लिया गया है।
		एस3*	एन	स्क्रिप सही जारी की गई, बर्त 2012-13 में ई का लाभ नहीं लिया गया है।
		एस4	एन	स्क्रिप सही जारी की गई।
		एन	एन	संगत नहीं है।
वर्ष 6	2014-15	एस3**	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गई। एस3** उपलब्ध है यदि 2012-13 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया।
		एस4*	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गई। एस4* उपलब्ध है यदि

				2013-14 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है।
		एस3** / एस4*	ई	एसएचईएस पहले जारी की गई। एस3** उपलब्ध है यदि 2012-13 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है। एस4* उपलब्ध है यदि 2013-14 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है।
		एन	ई	स्कीम के रूप में प्रासंगिक नहीं है क्योंकि स्कीम पहले ही 31 मार्च 2013 को बंद कर दी गई है।
		एस3**	एन	स्क्रिप को सही तरीके से जारी किया गया है, बशर्ते कि 2012-13 में ई का लाभ नहीं लिया गया है।
		एस4*	एन	स्क्रिप को सही तरीके से जारी किया गया है, बशर्ते कि 2013-14 में ई का लाभ नहीं लिया गया है।
		एन	एन	प्रासंगिक नहीं है क्योंकि एसएचआईजी स्कीम पहले ही 31 मार्च, 2013 को बंद कर दी गई है।
वर्ष 7	2015-16	एस4**	ई	ईपीसीजी पहले जारी की गई। ईपीसीजी एस4** उपलब्ध है यदि 2013-14 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है।
		एस4**	ई	एसएचआईएस पहले जारी की गई। एस4** उपलब्ध है यदि 2013-14 में ईपीसीजी का लाभ नहीं लिया गया है।
		एस4**	एन	स्क्रिप सही तरीके से जारी किया गया है, बशर्ते कि 2013-14 में ई का लाभ नहीं लिया गया है।
		एन	ई	प्रासंगिक नहीं है क्योंकि एसएचआईएस स्कीम पहले ही 31 मार्च 2013 को बंद कर दी गई है।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 8th September, 2016

No. 30/2015-2020

Subject: Notification of procedure to be followed in cases of incorrectly issued simultaneous benefits of Zero Duty EPCG and SHIS in FTP 2009-14 by the Director General of Foreign Trade in exercise of powers conferred under Para 2.04 of the Foreign Trade Policy 2015-2020.

F. No. 01/61/180/41/AM-13/PC3(Pt.).—This Directorate had received references from Directorate of Revenue Intelligence and various exporters, on the subject of incorrectly issued simultaneous benefits of Status Holder Incentive Scheme (SHIS) and Zero Duty EPCG Authorization under Foreign Trade Policy 2009-14. The issue involves Para 5.1(b) of FTP and Para 3.10.3(b) of HBP 2009-14. The representations have been examined by this Directorate in consultation with Department of Revenue and it has been decided that exporters who have been issued or availed such simultaneous benefit of these schemes shall be allowed flexibility, to the extent specified in this public notice, to choose one of the two schemes. The option to return either benefit shall be subject to the following :-

A. Return of SHIS

In case of return of SHIS (including splits), the unutilized SHIS (part or whole) may be surrendered by the original holder to whom such SHIS was issued by surrender of the original SHIS scrip.

The amount of SHIS that has been utilized, by the original applicant to whom SHIS was issued (who has not transferred the SHIS) shall be refunded in cash (with interest at the rate prescribed under Section 28AA of Customs Act from the date of issue of SHIS by the original applicant.

The amount of SHIS that has been transferred by original applicant shall be treated as amount of SHIS utilized and treated accordingly including for purpose of refund and interest payment by original applicant.

In cases where SHIS was issued based on exports of immediately preceding year and then zero duty EPCG was also issued, and the exporter opts to return the SHIS, the power under Para 2.58 of FTP 2015-20 in consultation

with relevant Committee would be exercised by DGFT to relax the FTP/HBP provisions requiring the 'prior' return of SHIS.

B. Return of zero duty EPCG/Post Export EPCG

When zero duty EPCG (i.e. all relevant authorizations) has to be returned, the amount equivalent to the duty forgone shall be refunded in cash with interest at the **rate prescribed** –

- (a) Rate in EPCG notification if EPCG returned was correctly availed
- (b) Rate Under Section 28AA of Customs Act if EPCG returned was incorrectly availed) by the exporter.

The unutilized zero duty EPCG (whole or part) may be surrendered. Further, instead of return of zero duty EPCG (i.e. return of all the relevant authorizations), the exporter may opt to convert zero duty EPCGs issued till 17.4.2013 to 3% EPCGs (subject to eligibility) by paying the differential duties plus applicable interest (at the rate prescribed under Section 28AA) from date of clearance of the goods till the date of payment. In such cases, SHIS scrip need not be surrendered. **This option shall not be available when the zero duty EPCG is already redeemed by DGFT.**

When zero duty Post Export EPCG is to be returned, the authorization(s) shall be surrendered. If any related duty credit scrip(s) against such Zero duty Post Export EPCG authorization(s) have been issued the same if unutilized may be surrendered by the original holder [by surrendering the original duty credit scrips]. The amount of such Post Export EPCG scrip(s) that has been utilized by the original applicant shall be refunded in cash (with interest at the rate prescribed under Section 28 AA of Customs Act from the date of issue of the PE EPCG). The amount of PE EPCG Scrip(s) that has been transferred shall be treated as amount of Post Export EPCG scrip(s) utilized and treated accordingly including for purposes of payment of interest by exporter.

C. Mode of payment

The amount shall be paid back to Government in cash. The facility of debiting the amount in valid freely transferable duty credit scrip issued under Foreign Trade Policy or in valid SHIS scrip held by the original holder to whom it was issued, shall be allowed for paying the refund part. However, interest part shall be always paid in cash.

D. Time Frame

A time frame of 9 months from provision of option by DGFT is allowed to exporters for the above.

E. No penal action in cases of incorrect issuance

On account of different interpretations on the issue in the past, it has been decided in consultation with DoR that any erroneous issuance of SHIS/Zero Duty EPCG Authorisation will be considered bonafide error and no penal action shall be taken against exporters by RAs / field formations of Custom, including DRI. The Annexure provides the proper interpretation on the issuance of SHIS and Zero duty EPCG/PE-EPCG benefits.

F. Consequential Action by CBEC

The CBEC would be issuing a separate Circular for guidance of its field formations.

Effect of this Public Notice: The exporters who have incorrectly availed simultaneous benefit of zero percent EPCG and SHIS have been provided an option to surrender one of the benefits subject to certain conditions.

ANUP WADHAWAN, Director General of Foreign Trade

Annexure to Public Notice No. 30 /2015-20 dated 08.09.2016

Different Scenarios of incorrect/simultaneous issuance of SHIS & Zero duty EPCG benefits

Glossary :

- S1 SHIS issued for exports made in year 1
- S2 SHIS issued for exports made in year 2
- S3 SHIS issued for exports made in year 3
- S4 SHIS issued for exports made in year 4
- E Zero duty EPCG scheme availed i.e. issued
- N Not taken i.e. not issued

*SHIS issued with one year late cut

**SHIS issued with two year late cut

Different scenarios in different years on issuance of SHIS, 0% EPCG and 0% Post Export EPCG				
	Year	SHIS Issued	0%EP CG issued	REMARKS (reference to 0% EPCG includes 0% PE-EPCG import authorization)
Year 1	2009-10			Not Relevant
Year 2	2010-11	S1	E	EPCG issued first. Wrong issuance of SHIS. S1 will lapse forever i.e. S1* and S1** will not be available in future, as E has been availed.
		S1	E	SHIS issued first. Wrong issuance of EPCG if SHIS benefit availed was not already surrendered, or refunded with applicable interest in case utilized.
		N	E	S1 will lapse forever i.e. S1* and S1** will not be available in future, as E has been availed.
		S1	N	Scrip has been correctly issued
		N	N	Not Relevant
Year 3	2011-12	S1*	E	EPCG issued first. S1* available if EPCG not availed in 2010-11.
		S2	E	EPCG issued first. Wrong issuance of SHIS. S2 will lapse forever i.e. S2* and S2** will not be available in future, as E has been availed.
		S1*/S2	E	SHIS issued first. S1* available if EPCG not availed in 2010-11. Wrong issuance of EPCG if S2 availed was not already surrendered or refunded with applicable interest in case utilized.
		N	E	S2 will lapse forever i.e. S2* and S2** will not be available in future, as E has been availed.
		S1*	N	Scrip has been correctly issued, provided 0% EPCG has not been availed in 2010-11.
		S2	N	Scrip has been correctly issued
		N	N	Not Relevant
Year 4	2012-13	S1**	E	EPCG issued first. S1** available if EPCG not availed in 2010-11.
		S2*	E	EPCG issued first. S2* available if EPCG not availed in 2011-12.
		S3	E	EPCG issued first. Wrong issuance of SHIS. S3 will lapse forever i.e. S3* and S3** will not be available in future, as E has been availed.
		S1**/S2*/S3	E	SHIS issued first. S1** available if EPCG not availed in 2010-11. S2* available if EPCG not availed in 2011-12. Wrong issuance of EPCG if S3 availed was not already surrendered or refunded with applicable interest in case utilized.
		N	E	S3 will lapse forever i.e. S3* and S3** will not be available in future, as E has been availed.
		S1**	N	Scrip has been correctly issued, provided E has not been availed in 2010-11.
		S2*	N	Scrip has been correctly issued, provided E has not been availed in 2011-12.
		S3	N	Scrip has been correctly issued
		N	N	Not Relevant
Year 5	2013-14	S2**	E	EPCG issued first. S2** available if EPCG not availed in 2011-12.
		S3*	E	EPCG issued first. S3* available if EPCG not availed in 2012-13.
		S4	E	EPCG issued first. Wrong issuance of SHIS. S4 will lapse forever i.e. S4* and S4** will not be available in future, as E has been availed.
		S2**/S3*/S4	E	SHIS issued first. S2** available if EPCG not availed in 2011-12. or S3* available if EPCG not availed in 2012-13. Wrong issuance of EPCG if S4 availed was not already surrendered or refunded with applicable interest in case utilized.
		N	E	S4 will lapse forever i.e. S4* and S4** will not be available in

				future, as E has been availed.
		S2**	N	Scrip has been correctly issued, provided E has not been availed in 2011-12.
		S3*	N	Scrip has been correctly issued, provided E has not been availed in 2012-13.
		S4	N	Scrip has been correctly issued.
		N	N	Not Relevant
Year 6	2014-15	S3**	E	EPCG issued first. S3** available if EPCG not availed in 2012-13.
		S4*	E	EPCG issued first. S4* available if EPCG not availed in 2013-14.
		S3**/S4*	E	SHIS issued first. S3** available if EPCG not availed in 2012-13. S4* available if EPCG not availed in 2013-14.
		N	E	Not relevant as the scheme has already sunset on 31 March 2013.
		S3**	N	Scrip has been correctly issued, provided E has not been availed in 2012-13.
		S4*	N	Scrip has been correctly issued, provided E has not been availed in 2013-14
		N	N	Not relevant as the SHIS scheme has already sunset on 31 March 2013.
Year 7	2015-16	S4**	E	EPCG issued first. S4** available if EPCG not availed in 2013-14.
		S4**	E	SHIS issued first. S4** available if EPCG not availed in 2013-14.
		S4**	N	Scrip has been correctly issued, provided E has not been availed in 2013-14.
		N	E	Not relevant as the SHIS scheme has already sunset on 31 March 2013.